

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 5] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 4, 1967 (माघ 15, 1888)
No. 5] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 4, 1967 (MAGHA 15, 1888)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

नोटिस NOTICE

नीचे लिखे भारत के असाधारण राजपत्र 19 जनवरी, 1967 तक प्रकाशित किये गये :—
The undermentioned *Gazettes of India Extraordinary* were published up to the 19th January, 1967 :

अंक Issue No.	संख्या और तारीख No. and Date	द्वारा जारी किया गया Issued by	विषय Subject
12	No. 6 ITC (PN)/67 dated 13th Jan 67	Ministry of Commerce	Import of raw materials components and spare parts by IDA Beneficiaries against licences issued under IDA credits (Industrial Imports).
	No. 7-ITC (PN)/67 dated 13th Jan. 67	-do-	Import of Streptomycin sulphate during April 1966—March 1967.
	No. 8-ITC (PN)/67 dated 13th Jan 67	-do-	Import of non ferrous metal by actual users (SSI units and other units not borne on the books of the DGTD). for the period April 66—March 67.
	No. 9-ITC (PN)/67 dated 13th Jan. 1967	-do-	Import policy for Spare Parts of diesel engines falling under S. No. 30 (P) (iii)/II for the period April 1966-March—1967.
	No. 10-ITC (PN)/67 dated 13th Jan. 67	-do-	Import policy for the year April 1966-March-1967
13	सं. फा० 24(63)प्लॉट(ए)/66 दिनांक 17 जनवरी, 1967	वाणिज्य मंत्रालय	चाय के विकास के लिए एक समिति की स्थापना।
14.	No. 11ITC(PN)/67 dated 19th Jan. 67.	Ministry of Commerce.	Import of Carbons S. No 46 (b)/II during April 1966—March 1967.

ऊपर लिखे असाधारण राजपत्रों की प्रतियां प्रकाशन प्रबन्धक, सिविल लाइन्स, दिल्ली के नाम मांगपत्र भेजने पर भेज दी जाएगी। मांगपत्र प्रबन्धक के पास इन राजपत्रों के जारी होने की तारीख से दस दिन के भीतर पहुंच जाने चाहिए।

Copies of the *Gazettes Extraordinary* mentioned above will be supplied on Indent to the Manager of Publications, Civil Lines, Delhi. Indents should be submitted so as to reach the Manager within ten days of the date of issue of these Gazettes.

विषय सूची (CONTENTS)

	पृष्ठ (Pages)		पृष्ठ (Pages)
भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों तथा उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं ..	143	भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं ..	3
भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों तथा उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी भण्डारों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं ..	85	भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई भण्डारों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	73
		भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	—
		भाग II—खंड 2—विशेष और विधायक सम्बन्धी प्रवर समितियों की रिपोर्ट ..	—

	पृष्ठ (Page)		पृष्ठ (Page)
भाग II—खंड 3—उप-खंड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)	169	भाग III—खंड 2—एकसूच कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिसें	45
भाग II—खंड 3—उप-खंड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं	229	भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं	27
भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश	—	भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिसें शामिल हैं	43
भाग III—खंड 1—महालेखापरीक्षक, सच-लोक-सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संघान तथा अधीन निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	47	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिसें	17
		पूरक सं० 5	
		28 जनवरी 1967 को समाप्त होने वाले मप्ताह की महामारी संबंधी मासाहिक रिपोर्ट	147
		7 जनवरी 1967 को समाप्त होने वाले मप्ताह में दौरान भारत में 30,000 तथा उससे अधिक आबादी के शहरों में जन्म, तथा यही बीमा-रिपोर्टों में हुई मृत्यु में अवधि आदि	161
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non Statutory Rules, Regulations and Orders issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	143	PART II—SECTION 3.—SUB-SECTION (n)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	229
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	85	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence	—
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions, issued by the Ministry of Defence	3	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Sub-ordinate Offices of the Government of India	47
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	73	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Offices, Calcutta	45
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	—	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	27
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of Select Committees on Bills	—	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	43
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules, (including orders, by-laws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	169	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies	17
		SUPPLEMENT No. 5—	
		Weekly Epidemiological Reports for week-ending 28th January 1967	147
		Births and Deaths from Principal diseases in towns with a population of 30,000 and over in India during week-ending 7th January 1967	161

भाग I—खण्ड 1

PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं

Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 जनवरी 1967

सं० 13-प्रेक्ष/67—राष्ट्रपति सन् 1967 के अठारहवें गण-तन्त्र दिवस के अवसर पर निम्नांकित अधिकारी को उसकी विशिष्ट सेवाओं के लिये राष्ट्रपति का पुलिस तथा अग्निशमन सेवा पदक प्रदान करते हैं :—

श्री तेष्के कोट्टिलिस भास्कर मारार, आई० पी० एस०

पुलिस उप-महानिरीक्षक,

अपराध अनुसंधान विभाग, केरल।

2. यह पदक राष्ट्रपति के पुलिस तथा अग्निशमन सेवा पदक से सम्बन्धित विधियों के नियम 4 (ii) के अन्तर्गत दिया जा रहा है।

नागेन्द्र सिंह, राष्ट्रपति के सचिव

वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली दिनांक 16 जनवरी 1967

सं० 12/41/66 ई० प्रापर०—भारत रक्षा नियम के नियम 133-बी० के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करती हुई केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा निदेश देती है कि कलकत्ता में साधना औषधालय (ठाका) के स्वामी डा० नरेण चन्द्र घोष का भारत में समस्त सम्पत्ति जो कि उनकी है, उनके पास है अथवा जिसका प्रबन्ध उनकी ओर से किया जाता है और जो कि भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं० 12/2/65-ई० प्रापर०, दिनांक 11 सितम्बर 1965 के अनुसार भारत शत्रु सम्पत्ति परिरक्षक में निहित कर दी गई थी, अब उनमें निहित नहीं रहेगी और डा० नरेण चन्द्र घोष में पुनः निहित हो जाएगी।

आर० एम० तलवार, संयुक्त सचिव

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकारिता मंत्रालय
(कृषि विभाग)

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्

नई दिल्ली, दिनांक 17 जनवरी 1967

सं० 29(1)/66-सी० डी० एन० (1)—अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के उप-कुलपति, नवाब अलीयावर जंग ने, जिन्हें 3 सितम्बर 1966 से 30 जुलाई 1969 तक के लिए इस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 29(1)/66-सी० डी० एन० (1) दिनांक 18 नवम्बर 1966 के अनुसार कृषि शिक्षा की स्थाई समिति के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के प्रतिनिधि के रूप में मनोनीत किया गया था; समिति के सदस्य के रूप में कार्य करने के लिए अपनी असमर्थता प्रगट की है। अतः सोसाइटी की नियमावली के नियम 62 तदनुसार नियम 11 में की गई व्यवस्था के अनुसार ये समिति के सदस्य नहीं रहे हैं।

डा० डी० आर० गाडगिल, उप-कुलपति, पूना विश्वविद्यालय, नवाब अलीयावर जंग के स्थान पर 30 जुलाई 1969 तक अथवा

जब तक उनका उत्तराधिकारी मनोनीत नहीं कर दिया जाता— जो भी अवधि पहले समाप्त हो। एतद् द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का प्रतिनिधित्व करने के लिए कृषि-शिक्षा की स्थाई समिति के सदस्य मनोनीत किये जाते हैं।

पी० एस० हरीहरन, उप-सचिव

शिक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 जनवरी 1967

सं० एफ० 1-2/65-पी० ई०-2—शिक्षा मंत्रालय की सम्बन्धक अधिसूचना, दिनांक 17 जून 1966 के क्रम में—

श्री पी० एन० किरपाल, सचिव, शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली को श्री ए० के० घोष के स्थान पर अखिल भारतीय खेल परिषद के एक सदस्य के रूप में मुरन्म और 15 जुलाई 1967 तक नामजद किया जाता है।

रोशन लाल आनन्द, अवसर सचिव

परिवहन तथा विमानन मंत्रालय

परिवहन तथा मोटरवाहन विभाग
(परिवहन पक्ष)

संस्थाप

नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी 1967

पलन

सं० 7-पी० जी० (26)/66—भारत सरकार को मारमोगाव पलन की वर्ष 1965-66 की प्रशासनिक रिपोर्टें प्राप्त हो गई हैं। रिपोर्टों की मुख्य विशिष्टियों का पुनर्विलोकन नीचे किया गया है :—

1-वित्तीय स्थिति :

विचाराधीन वर्ष में मारमोगाव पलन का कुल राजस्व 181*24 लाख रु० (कनहारी से प्राप्तियों सहित) था। 1964-65 में यह संख्या 145*75 लाख रुपये थी। यह वृद्धि यातायात में वृद्धि के कारण, विशेषकर कच्चे लोहे के निर्यात के कारण हुई।

1965-66 में व्यय की संख्या 160*36 लाख रुपये थी। 1964-65 में यह संख्या 73*94 लाख रुपये थी। व्यय में वृद्धि का मुख्य कारण पूर्व मोचन कर्मचारियों के वेतनमानों को चाल प्रतिरूप से समाकलित करने के कारण पूर्वव्याप्ति सहित वेतन और भत्ते के बकाये के भुगतान में लगभग 7 लाख रु० का व्यय का बकाया, मजदूरी मंडल के अन्तरिम पंचाट की क्रियान्वित करना, सिविल इंजीनियरिंग यांत्रिक इंजीनियरिंग और यातायात (घाट) विभाग के अन्तर्गत व्यय में लगभग 5 लाख रुपये की सामान्य वृद्धि, और 1-4-62 में नई बनाई हुई हास निधि में 72 लाख रुपये का अंशदान था।

2-यातायात :

विचाराधीन वर्ष में यातायात की मात्रा पलन में अभिलिखित किसी भी वित्तीय वर्ष के लिये सर्वोच्च रही। वर्ष में पलन में ढोये गये मान का सम्पूर्ण टनभार 7,860,102 टन रहा। पिछले

वर्ष यह संख्या 6,619,708 टन थी। यानायात संख्याओं का विभाजन इस प्रकार है :—

	1964-65	1965-66
	टनभार	टनभार
आयात	216,352	239,127
निर्यात	6,403,356	7,620,975

निर्यात में अधिकांशतः कच्ची धातुएँ थीं। इस वर्ष इनकी संख्या 7,578,594 टन थी और 1964-65 में यह संख्या 6,370,055 टन थी।

3—नौवहन :

पत्तन में 6,573,447 कुल टनभार के 834 जहाज आये। पिछले वर्ष 5,737,174 कुल टन भार के 731 जहाज आये थे।

4—यात्री यातायात :

1965-66 में मारमोगाव पत्तन में 10,492 यात्री जहाज पर सवार हुए और 10,954 यात्री जहाज से उतरे।

5—पूँजीगत कार्य :

1965-66 में पूँजीगत कार्यों पर 57.58 लाख रुपये व्यय किये गये। विचाराधीन वर्ष में जिन महत्वपूर्ण कार्यों पर व्यय किया गया उनमें से कुछ ये हैं :—

कार्यों का नाम	व्यय रुपये लाख में
नये ड्रेजर की प्राप्ति	29.57
एक सर्वेक्षण लांच, बिना बोर्ड मोटर के एक छोटी नौका और एक मूरिंग नौका की खरीद	3.48
2 बजरा लादने की जेट्टियों का निर्माण	2.41
अग्नि शामक उपकरणों की खरीद	1.02
2 अतिरिक्त छादनों का निर्माण	1.28
एक वर्ट, इक्सेजरेटेड टाइडल भाइल का निर्माण	1.53
बस्ताजार भवन की प्राप्ति	3.75
जलसरणि और द्रोणी का निक्षेपण	8.11

6—कल्याणकार्य :

पोर्ट ट्रस्ट द्वारा अपने कर्मचारियों के लिये जो कल्याणकार्य किये गये वे ये हैं :— डाक्टरी, आमोद प्रमोद तथा सुख सुविधा की व्यवस्था, दो कैन्टीन और उप-भोक्ता सहकारिता समिति।

7. मारमोगाव पोर्ट ट्रस्ट बोर्ड ने उपयोगी कार्य किया और 1965-66 में उसके द्वारा किये गये कार्य की सरकार सराहना करती है।

आदेश :- आदेश दिया जाता है कि संस्ताव समस्त सबद्ध को प्रेषित किया जाये।

यह भी आदेश दिया जाता है कि सामान्य सूचना के लिये संस्ताव को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

पं० 2-गी० जी० (51)/66--भारत सरकार को 1965-66 की काँडला पत्तन की प्रशासनिक रिपोर्टें प्राप्त हो गई हैं। रिपोर्टों की प्रमुख विशेषताओं की समीक्षा नीचे दी जाती है :—

1. वित्तीय परिणाम

(क) पत्तन निधि : इस वर्ष पत्तन की राजस्व प्राप्तियाँ (कन्हारी जाने को छोड़कर) 152.66 लाख रुपये थी। 1964-65 में यह संख्या 121.42 लाख रुपये थी।

विचाराधीन वर्ष में व्यय (कन्हारी जायें का व्ययभार, अग्रहारास निधि, राजस्व आरक्षित निधि और पूँजीगत खातों के अंशदान, को छोड़कर) की राशि 104.44 लाख रुपये रही। 1964-65 में यह संख्या 112.63 लाख रुपये थी। 1965-66 में अग्रहारास निधि, राजस्व आरक्षित निधि और पूँजीगत खाते को किया गया अंशदान क्रमशः 18.48 लाख, 5.00 लाख और 6.95 लाख रुपये था।

(ख) कन्हारी खाता : 1965-66 में कुल आय और व्यय क्रमशः 3.35 लाख और 2.61 लाख रुपये थी।

(ग) ऋण स्थिति : 1965-66 के वित्तीय वर्ष के अन्त में भारत सरकार को दिया जाने वाला पत्तन का बकाया ऋण 17,02.26 लाख रुपये था। इसमें वर्ष के दौरान 25 लाख रुपये के ऋण को भी खाने में कर लिया गया है : यह संख्या 29-2-64 तक के लिये, जब कि पोर्ट ट्रस्ट स्थापित किया गया था, सरकार द्वारा अन्तिम पूँजीगत ऋण तय किये जाने तक अस्थायी है।

2 यातायात

(क) व्यापार : 1964-65 और 1965-66 के वर्षों की काँडला पत्तन से होकर जाने वाले यातायात की संख्या नीचे दी जाती है।

वर्ष	आयात	निर्यात	कुल यातायात
(मीट्रिक टन के लाख में)			
1964-65	20.54	2.58	23.12
1965-66	23.36	1.69	25.05

(ख) नौवहन : पालपोतो को छोड़कर, 26.04 लाख के कुल टनभार के 279 जहाज, 1965-66 में पत्तन में आये। 1964-65 में 28.87 लाख कुल टनभार के 343 जहाज आये थे।

4. श्रम और कल्याणकारी कार्य

सुविधायें जैसे रहने की, उपभोक्ता सहकारी भंडार, शिक्षा की सुविधायें, फनव, कान्डीनों, डाक्टरी सुविधायें इत्यादि दी जाती रही।

पूँजीगत कार्य : विचाराधीन वर्ष में पूँजीगत कार्यों पर 66.46 लाख रुपये का सम्पूर्ण व्यय किया गया। ड्रेजर “काँडला” के लिये तैरते और तटीय पाइपलाइन की प्राप्ति के लिये ऋण आदेश दिया गया। एक 1000 अक्षयशक्ति का टंग मिल गया।

5. **सशस्त्रता :** विवादाधीन वर्ग में पोस्ट ट्रस्ट के तर्ज को सरकार
नियम की शक्ति से देखनी है

आदेश

आदेश दिया जाता है कि संस्तर की एक प्रतिनिधि समस्त
संस्तर को रिपिट कर दी जाये।

यह भी आदेश दिया जाता है कि संस्तर का सामान्य सूचना
के लिये भारत के राष्ट्रपति में प्रकाशित कर दिया जाये।

के० सी० सादगपा, संयुक्त सचिव

मिचार्ड व ब्रिजली मन्त्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 जनवरी 1967

नं० 167/66-एफ० 1/6/66-प्रशासन-1—गण्डपति केन्द्रीय
जल तथा विद्युत् गवेषणा केंद्र, पूना में श्री एच० पी० वाखानीम
का गवेषणा अधिकारी (नीतिज्ञ) के रूप में, स्थानापन्न क्षमता
में, 16 नवम्बर 1966 के पूर्वोक्त से जब तक और आदेश नहीं
दिये जाते, नियुक्त करने हे।

पी० एल० गुप्ता अवसर सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 26th January 1967

No. 13-Pres. 67.—The President is pleased on the occasion
of the eighteenth Republic Day, 1967, to award the President's
Police and Fire Services Medal for distinguished service to
the undermentioned officer:—

Shri Thekke Kottilil Bhaskara Marar, I.P.S.,
Deputy Inspector General of Police,
Criminal Investigation Department,
Kerala

2 This award is made under rule 4(n) of the rules
governing the grant of the President's Police and Fire Ser-
vices Medal

N. GENDRA SINGH, Secy. to the President

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 16th January 1967

No. 12/41/66-E.Pty.—In exercise of the powers conferred
by sub-rule (1) of rule 131-V of the Defence of India Rules,
1962, the Central Government hereby directs that the pro-
perties in India, belonging to, or held by, or managed on
behalf of, Dr. Nares Chandra Ghose proprietor of Sudhna
Anushdhalaya (Dacca) in Calcutta, which have vested in the
Custodian of Enemy Property for India by virtue of the
notification of the Government of India in the Ministry of
Commerce No. 12/2/65-E.Pty dated the 15th September
1965, shall cease to vest in the said Custodian and shall
revert to the said Dr. Nares Chandra Ghose.

R. S. TALWAR, Jt Secy

MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMU- NITY DEVELOPMENT AND COOPERATION

(Department of Agriculture)
(I.C.A.R.)

New Delhi, the 17th January 1967

No. 29(1)/66-CDN(I).—Nawab Ali Yavar Jung, Vice-
Chancellor, Aligarh Muslim University, Aligarh, who had
been nominated as a representative of the University Grants
Commission on the Standing Committee for Agricultural
Education for the period from the 3rd September 1966 to the
30th July, 1969 *vide* this Ministry's Notification No. 29(1)/66-
CDN(I) dated the 18th November, 1966 has expressed his
inability to work as a member of that Committee. He has
thereby under the provision of Rule 62 read with Rule 11
of the Rules of the Society ceased to be member of the
Committee

Dr. D. R. Gadgil, Vice-Chancellor, University of Poona,
is hereby nominated as a member of the Standing Committee
for Agricultural Education to represent the University Grants
Commission thereon *vice* Nawab Ali Yavar Jung for the
period ending the 30th July, 1969, or till such time as his
successor is nominated on the Committee, whichever period
express earlier.

P. S. HARIHARAN, Dy. Secy

Department of Cooperation

New Delhi, the 20th January 1967

No. 1-5/66-G (Suppl. List 7).—In continuation of this
Department Notification No. 1-5/66-G (Suppl. List 6) the
following wholesale cooperative stores are added to the
Schedule of Cooperative Societies published along with the
Notification No. 1-25/65-CC dated 27-5-1966 regarding the
Guarantee Scheme for consumer cooperatives:—

- 1 Dhanbad Colliery Workers Central Cooperative
Stores Ltd., Bhuli (Bihar).
- 2 The Mugma coalfield Colliery Workers Central Co-
operative Stores Ltd., Dhanbad (Bihar).
- 3 Bokaro-Girdih Colliery Workers Central Cooperative
Stores Ltd., Bermo, District Hazaribagh (Bihar).
- 4 Panigany Coalfield Colliery Workers Central Coopera-
tive Stores Ltd., Kalla (Asansol), District Burdwan
(West Bengal)

S. V. IYER, Dy. Secy

MINISTRY OF EDUCATION

New Delhi, the 24th January 1967

No. F. 8-1/66 PF-4.—In continuation of the Ministry of
Education Notification of even number dated the 8th Decem-
ber, 1966,

Shri U. N. Roy,
Chief Inspector of Physical Education & Youth Welfare,
West Bengal Government, Calcutta.

is nominated a member of the Central Advisory Board of
Physical Education and Recreation with immediate effect and
up to the 27th August, 1968 *vice* Shri K. K. Dutt.

R. L. ANAND, Under Secy

MINISTRY OF TRANSPORT AND AVIATION

(Department of Transport and Shipping)
(Transport Wing)

New Delhi, the 17th January 1967

RESOLUTION

No. 28-MT(1)/65.—The Central Government is pleased to
make the following amendment to the Ministry of Transport

Resolution No. 28-MT(1)/65, dated the 22nd July, 1965 :—

For the entry 'Capt. L. N. C. Jesudason, I.N., Director of Naval Operations' appearing against serial No. 13, the entry 'Capt. Kirpal Singh, I.N., Director of Personal Services' shall be substituted.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to the Ministry of Defence, New Delhi and the Director General of Shipping, Bombay.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India.

D. S. NIM, Dy. Secy.

RESOLUTION

PORTS

New Delhi, the 21st January 1967

No. 7-PG(26)/66.—The Government of India have received the Administration Report of the Port of Mormugao for the year 1965-66. The noteworthy features of the Report are reviewed below :—

(1) Financial Position :

The total revenue of the Port of Mormugao during the year under review was Rs. 181.29 lakhs (including the receipts from Pilotage) as against Rs. 145.75 lakhs during 1964-65. The increase was due to the increased traffic, particularly in the export of Iron Ore.

The expenditure during 1965-66 was Rs. 160.36 lakhs as against Rs. 73.94 lakhs in 1964-65. The increase in expenditure was mainly due to the payment of about Rs. 7 lakhs on account of arrears of pay and allowances with retrospective effect consequent on the integration of the pay scales of pre-liberation employees with the current pattern. Implementation of the interim award of the Wage Board, General increase of about Rs. 5 lakhs in expenditure under Civil Engineering, Mechanical Engineering and Tariff (Wharf) Departments and a contribution of Rs. 72 lakhs into the newly created Depreciation Fund with effect from 1st April, 1962.

(2) Traffic :

The volume of traffic handled during the year under review was the highest so far recorded at the port of any financial year. The total tonnage of cargo handled at the port during the year was 7,860,102 tonnes against 6,619,708 tonnes during the previous year. The break-up of the traffic figures is as under :

	1964-65	1965-66
	Tonnes	Tonnes
Imports	216,352	239,127
Exports	6,403,356	7,620,975

The exports consisted mainly of ores—7,578,594 tonnes as against 6,370,053 tonnes in 1964-65.

(3) Shipping :

834 vessels with a gross tonnage of 65,73,447 entered the Port as against 731 vessels with a gross tonnage of 57,37,174 during the previous year.

(4) Passenger Traffic :

During 1965-66, 10,492 passengers embarked and 10,954 disembarked at the port of Mormugao.

(5) Capital Works :

During 1965-66, an expenditure of Rs. 57.58 lakhs was incurred on Capital Account. The following are some of

the important works on which expenditure was incurred during the year under review :

Name of Work	Expenditure (in lakhs of rupees)
Acquisition of a new Dredger	29.57
Acquisition of a Survey Launch, one small boat without board motor and one mooring boat	3.48
Construction of 2 barges loading jetties	2.41
Purchase of a fire fighting equipment	1.02
Construction of 2 additional sheds	1.28
Construction of vert. exaggerated tidal models	1.53
Acquisition of Baltazar buildings	3.75
Dredging of the channel and basin	8.11

(6) Welfare :

The welfare measures undertaken by the Port Trust for their employees included medical, recreational and entertainment facilities, two canteens and a Consumer Co-operative Society.

7. The Mormugao Port Trust Board performed useful work and Government view with appreciation the work done during the year 1965-66.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

RESOLUTION

PORTS

No. 2-PG(51)/66.—The Government of India have received the Administration Report of the Port of Kandla for the year 1965-66. The salient features of the Report are reviewed below :—

1. Financial Results

(a) *Port Fund* : The revenue receipts of the Port (excluding the Pilotage Account) during the year were Rs. 152.66 lakhs as compared to Rs. 121.42 lakhs during 1964-65.

The expenditure (excluding that charged to the Pilotage Account and contributions to the Depreciation Fund Revenue Reserve Fund and Capital Account) during the year under review was Rs. 104.44 lakhs as against Rs. 112.63 lakhs in 1964-65. The contributions made to the Depreciation Fund, Revenue Reserve Fund and Capital Account during 1965-66 were Rs. 18.48 lakhs, Rs. 5.00 lakhs and Rs. 6.95 lakhs, respectively.

(b) *Pilotage Account* : The gross income and expenditure during 1965-66 were Rs. 3.35 lakhs and Rs. 2.61 lakhs, respectively.

(c) *Debt position* : The outstanding debt of the Port payable to the Government of India at the close of the financial year 1965-66 was Rs. 17,02.26 lakhs after taking into account the loan of Rs. 25 lakhs taken during the year. This figure is, however, provisional pending fixation of the ultimate capital debt by the Government as on 29-2-64, when the Port Trust was formed.

2. Traffic

(a) *Trade* : The traffic which passed through the port of Kandla in 1965-66, as compared to that in 1964-65, is indicated in the table below :

Year	Imports	Exports	Total Traffic
	(In lakhs of metric tonnes)		
1964-65	20.54	2.58	23.12
1965-66	23.36	1.69	25.05

(b) **Shipping** : Excluding sailing vessels, 279 vessels with a gross tonnage of 26.04 lakhs, entered the port during 1965-66 as against 343 vessels with a gross tonnage of 28.87 lakhs in 1964-65.

3. Labour and Welfare activities

Amenities such as housing, consumer cooperative stores, educational facilities, clubs, canteens, medical facilities etc. were continued

4. Capital Works

The total expenditure on Capital Works during the year under review was Rs. 66.46 lakhs. An order for the procurement of a floating and shore pipeline for the dredger "Kandla" was placed. The delivery of a 1000 HP Tug was taken.

5. Acknowledgement

Government views with satisfaction the work of the Port Trust during the year under review.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

K C. MADAPPA, Jt Secy

(Roads Wing)

RESOLUTION

New Delhi-1, the 16th January 1967

No PL-30(112)/64.—In order to cater effectively to the growing needs of the country's developing economy, where Roads play a vital role, it is essential to ensure their integrated and coordinated development. During recent years, a number of new concepts have assumed importance in the field of road planning such as the adoption of cost-benefit approach to large road projects, assigning a specific place to rural roads in the scheme of road development with a view specially to more rapid progress in agriculture, development of urban roads in metropolitan areas, provision of inter-State links between neighbouring States, coordinated development of different modes of transport, etc. All these matters call for an integrated and systematic planning both at the Centre and in the States

At their fourth meeting held in 1964, the Transport Development Council also stressed the need and urgency of providing at the Centre and in the States high powered technical advisory bodies for assisting the Governments concerned in the preparation of an integrated road plan for the country and for different States and regions. The Committee on Transport Policy and Coordination have also supported this recommendation and urged upon the Central and State Governments to take immediate steps to create the proposed technical advisory bodies

Following these recommendations, Road Planning Boards or other appropriate advisory bodies have already been set up in most of the States. The Government of India have also decided to set up a Committee to be designated the Central Advisory Committee on Road Planning, which will include representatives both from Central Ministries and from States

2 The composition of the Committee will be as under

Chairman

- (i) Director General (Road Development), Ministry of Transport & Aviation, Department of Transport & Shipping, (Roads Wing)

Members

- (ii) Representative of the Planning Commission
(iii) Representative of the Ministry of Finance (T & P Division)

(iv) Representative of the Ministry of Defence.

(v) Representative of the Ministry of Mines & Metals.

(vi) Representative of the Ministry of Industry.

(vii) Representative of the Ministry of Railways.

(viii) Representative of the Ministry of Food & Agriculture (Department of Agriculture).

(ix) Representative of the Transport Wing of the Department of Transport & Shipping dealing with road transport

(x)-(xii) Chief Engineers of three States (to be nominated by rotation every two years).

(xiii) Two members to be co-opted as and when considered necessary

Member-Secretary

(xiv) Chief Engineer in-charge of road planning in the Roads Wing of the Department of Transport & Shipping

3 The Committee will have the following functions to perform

- (i) advise on the preparation of integrated and co-ordinated road development plans for the country as a whole and for different regions;
(ii) recommend priorities and phasing of programmes;
(iii) review proposals for road development drawn up for the Annual and Five-Year Plans;
(iv) appraise progress in the development of roads and associated road transport services and present surveys from time to time, and
(v) initiate and promote special studies, surveys and investigations bearing on road development and road construction

ORDER

ORDERED that the above Resolution be communicated to all State Governments/Local Administrations, the Planning Commission, and the Ministries of Finance (T & P Division), Defence, Mines and Metals, Industry, Railways and Food & Agriculture (Department of Agriculture)

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India

H P SINHA Director General (Road Development) & *Ex-officio* Additional Secy

MINISTRY OF LABOUR, EMPLOYMENT AND REHABILITATION

(Department of Rehabilitation)

New Delhi-11, the 13th January 1967

No 1(23)/66-DNK—In exercise of the powers conferred by the proviso to rule 8 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules 1965, and in modification of the late Ministry of Rehabilitation Notification No 1/42/63-DNK, dated the 11th August, 1965, the President hereby delegates to the Chief Administrator, Dandakaranya Development Authority, until further orders, the power to make all appointments to Central Civil Services, Class I and Central Civil Posts, Class I, under the said Authority, the maximum of the pay scale or the fixed pay for which is Rs 2,000 or less

Provided that, before exercising such power, the Chief Administrator shall obtain the previous approval of the Dandakaranya Development Authority

S A T NARAYANAN, Under Secy.

